दैनिक भास्कर
राजसमन्द भास्कर 12-05-2023

मावली-मारवाड़ रेल लाइन • देवगढ़ से लसानी, ताल से हरीपुर तक 102 किमी का सर्वे पूरा, रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी

आमान परिवर्तन के दूसरे फेज में भीम, टॉडगढ़ और बार होते हुए हरीपुर में मारवाड़ लाइन से जोड़ने की योजना

हेमंत दाधीच| राजसमंद

10 मई को नाथद्वारा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुप्रतिक्षित मावली-मारवाड़ रेल लाइन को आमान परिवर्तन की 40 साल पुरानी मांग का सपना साकार कर दिया। प्रथम फेज में नाथद्वारा से देवगढ़ तक आमान परिवर्तन किया जाएगा। इसके दूसरे फेज में राजसमंद के भीमवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी के साथ भीम में भी ट्रेन का सपना साकार होगा। क्योंकि रेल विभाग ने देवगढ़ के आगे मारवाड़ मिलाने के लिए नया रूट लसानी, ताल, भीम होते हुए हरीपुर तक मिलाने की योजना बनाई है। रेल विभाग ने देवगढ़ से हरीपुर तक 102 किमी का सर्वे भी पूरा कर लिया है। इस लाइन पर लासानी, ताल, भीम, बली, टॉडगढ़, जवाजा, कोबरा, कालाबर होते हुए मारवाड़ से अजमेर ब्रॉडगेज पर हरीपुर स्टेशन से मिलाया जाएगा। इन गांवों में भी पहली बार ट्रेन का सपना साकार होगा।

मावली-मारवाड़ आमान परिवर्तन की मांग के सकारात्मक परिणाम 2015 में आए थे, जब तत्कालीन सांसद हरिओम सिंह राठौड़ बजट जारी करवाने में सफल रहे। लेकिन रेल विभाग के सामने बड़ी चुनौती देवगढ़ से आगे वन विभाग का बड़ा क्षेत्र होने व भौगोलिक स्थिति से ब्रॉडगेज के विस्तार में दिक्कतें आई। इसके बाद सिरियारी होकर भी मारवाड़ से मिलाने का प्रयास किया। लेकिन इस रूट पर भी वन विभाग की जमीन होने से यह रूट भी फेल हो गया। 2019 में सांसद दीया कुमारी के सामने पहले बड़ी चुनौती मावली-मारवाड़ आमान परिवर्तन करवाना था। सांसद दीया कुमारी ने इसके लिए लगातार संसद में प्रश्न उठाती रही। नौ साल के लम्बे समय इंतजार के बाद 1313.40 करोड़ की राशि जारी की गई। इसमें इस लाइन को दो भागों में बांट दिया। पहले फेज में नाथद्वारा से देवगढ़ तक ब्रॉडगेज करना था। इस रूट पर किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आ रही थी। इसके बाद दूसरे फेज में देवगढ़ से नए रूट का सर्वे करके लाइन निकालना था। पहले फेज में नाथद्वारा-देवगढ़ तक 968.92 करोड़ की राशि जारी की गई। नाथद्वारा (मावली)-देवगढ़ आमान परिवर्तन में पहले फेज में 968.92 करोड़ में अलग-अलग मदों पर राशि खर्च की जाएगी।

देवगढ़-मारवाड़ के बीच मीटर गेज ट्रेन ही चलेगी

देवगढ़ के बाद रेलवे विभाग ने नया रूट तैयार किया। इसमें कामलीघाट को छोड़ते हुए देवगढ़ से हरीपुर 102 किमी नई लाइन का सर्वे किया गया। इस लाइन पर लसानी, ताल, भीम, बली, टॉडगढ़, जवाजा, कोबरा, कालाबर, न्यू बार होते हुए अजमेर-मारवाड़ लाइन पर स्थित हरीपुर स्टेशन मिलाया जाएगा। रेलवे सूत्रों के अनुसार इस लाइन का सर्वे पूरा हो गया है। दूसरे फेज में इसका बजट भी जारी होगा। इस रूट पर वन विभाग की जमीन नहीं आ रही है।

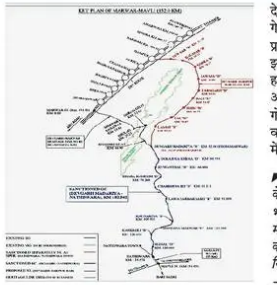

दूसरे फेज में भीम को जोड़ते हुए नए सर्वे का नक्शा।

देवगढ़ से मारवाड़ के बीच मीटर गेज ट्रेन ही चलेगी। इस रूट पर प्राकृतिक दृष्टि से गोमरघाट के झरने का विहंगम नजारा है। जहां हर साल कई पर्यटक घुमने के लिए आते हैं। जो अब देवगढ़ से गोरमघाट घुमने के लिए जा सकेंगे। वहीं फुलाद व मारवाड़ जाने वालों में यह मार्ग सुगम रहेगा।

देवगढ़ से मारवाड़ के तीसरे विकल्प के तौर पर देवगढ़ से लसानी, ताल, भीम, टॉडगढ़ होते हुए अजमेरा मारवाड़ लाइन पर हरीपुर से जोड़ने का सर्वे पूरा हो गया। इसकी सर्वे रिपोर्ट आगे विभाग को भेजी है।
-विवेक रावत, एडीआरएम अजमेर।